मुचलका व जमानत

(जेर आर्ड 449 हस्व नमूना 42 जावता फौजदारी)

(मुचलका)

नाम .....

..... *बनाम* .....

जुर्म .....

मैं ..... *पुत्र/पुत्री श्री* .....

साकन ..... *तहसील* ..... *जिला* .....

का हूँ और इस लिखित के अनुसार प्रतिज्ञा करता हूँ कि इस मुकदमें की सुनवाई के लिए जो भी तारिख इस न्यायालय में से निश्चित होगी मैं हर तारिख पर उपस्थित रहूंगा। अगर यह मुकदमा सुनवाई के लिए किसी दूसरे न्यायालय में बदल जायेगा तो उसमे भी तो फैसला उपस्थित रहूंगा। अगर किसी भी तारिख्वा पर उपस्थित न रहूंगा तो मुबलिग ..... रूपये क ा तावान हरियाणा सरकार को भेंट करूँगा। अतः मुचलका जाती बकरार खुद लिखा दिया है ताकि सनद रहें।

आज.....मास.....20.....तदनुसार.....मास.....संव.....

ह0.....मुलजिम

जमानत

मैं .....पुत्र/पुत्री श्री .....

साकन ..... तहसील ..... जिला .....

का हूं और मुलजिम मजकूर ..... का जामिन होकर इस लिखित के अनुसार प्रतिज्ञा करता हूं कि जो तारिख इस मुकदमे की सुनवई के वास्ते इस न्यायालय से निशचित होगी इस उस तारिख पर मुलजिम मजकूर न्यायालय बदल जायेगा तो मुलजिम हर तारिख पर तो फैसला वहॉ भी हाजिर होता रहेगा अगर किसी ताखि को हाजिर नहीं होगा तो में मुबलिग ..... रूपये का तबान हरियाणा सरकार को भेंट करूंगा। अतः वह जमानत लिख दी है ताकि सनद रहे।

आतः दिनांक.....मास.....20.....तदनुसार.....मास.....सं0.....

हस्ताक्षर हस्ताक्षर गवाह हस्ताक्षर जामिन